आईसीएआर-सीफेट और लुधियाना की एक नवोदित फर्म के बीच औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए कृषि-अवशेष को माइसेलियम आधारित बोर्डों में परिवर्तित करने के लिए इन्क्यूबेशन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

अपनी दूसरी सबसे बड़ी कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और साल भर फसल उत्पादन के साथ, भारत फसल अवशेषों सहित बहुत सारे कृषि अपशिष्ट पैदा करता है। फसल अवशेषों को जलाना एक गंभीर पर्यावरणीय समस्या बन गई है जो मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा है और ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनती है। माइसेलियम ग्रोथ कृषि अपशिष्ट/फसल अवशेषों और उप-उत्पादों को टिकाऊ बायोमैटिरियल्स में रीसायकल करने के लिए एक अद्वितीय और कम लागत वाली जैव-निर्माण विधि प्रदान करता है। सुश्री पूनम शर्मा, निदेशक HAUCH Ecovations Pvt. लिमिटेड लुधियाना ने औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए कृषि-अवशेषों को माइसेलियम आधारित बोर्डों में परिवर्तित करने के लिए इन्क्यूबेशन के लिए आईसीएआर-सीफेट से संपर्क किया और इसके लिए आईसीएआर-सीफेट और फर्म के बीच इन्क्यूबेशन के लिए एमओए पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम के दौरान डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले (निदेशक आईसीएआर-सीफेट), सीफेट की टीम के साथ डॉ. रमेश चंद कसाना, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. रेणु बालकृष्णन (इंचार्ज आई टी एम यू और को - पी आई ऐ बी आई) और इंजी. अलका शर्मा (आरए) मौजूद रहीं।